व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण में कई राज्यों के शिक्षक हुए शामिल

आइआइएम की कार्यशाला में विशेषज्ञ ट्रेनिंग देते हुए।

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

आइआइएम रायपुर में सोमवार को पांच दिवसीय 10वें व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 30 संकाय के सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, ओडिशा और त्रिपुरा के इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर शामिल हुए।

पहले दिन आइस-ब्रेकिंग और इन्वेंटरीस ऑन एक्सपेक्टेशन पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसका संचालन प्रो. संजीव प्रशर ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को खेल खेलने के तरीकों के माध्यम से एक-दूसरे से परिचित कराया, ताकि संकाय सदस्यों के बीच झिझक को दूर किया जा सके। इस सत्र के बाद, प्रो. भारत भास्कर, निदेशक आइआइएम रायपुर ने प्रौद्योगिकी परिवर्तन परिदृश्य में अकादमिक नेतृत्व की भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण तस्वीर पर चर्चा की। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों के संदर्भ में सुशासन के तर्क को समझाया।

प्रो. परीक्षित चरण ने शिक्षा में विजन, मिशन और लक्ष्यों पर चर्चा की, जिसमें आकांक्षाओं को स्थापित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। बताया गया कि लीडर्स के साथ-साथ संगठनों को भी आकांक्षाओं की आवश्यकता क्यों है। अच्छी तरह से गठित विजन और मिशन रणनीति के अच्छे क्रियान्वयन में हमारी मदद करते हैं। प्रो. पीआरएस सरमा ने शैक्षणिक संस्थानों में प्रोक्योरमेंट मैनेजमेंट में 'बेस्ट प्रैक्टिसेस' को बताया।

Naidunia, 16th July 2019,p.6.jpg